निरीक्षण टिप्पणी जिला चिकित्सालय हमीरपुर।

दिनांक 31–12–2015 को मेरे द्वारा पूर्वान्ह 11–00 बजे जिला चिकित्सालय,पुरूष एवं महिला का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

जिला चिकित्सालय, पुरूष हमीरपुर।

जिला चिकित्सालय का निरीक्षण पूर्वान्ह 11–00 बजे किया गया। पंजीकरण कक्ष का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय तक 120 मरीजों का पंजीकरण किया जा चुका है।

ओ0पी0डी0 कक्षों का निरीक्षण किया गया। दंत चिकित्सक डा0 आर0एल0मिश्रा,बाल रोग विशेषज्ञ डा0 राधारमण,सर्जन डा0 विनय प्रकाश,ई0एन0टी0 विशेषज्ञ डा0 विकास यादव,फिजीशियन डा0 पी0के0गुप्ता ओ0पी0डी0 में उपस्थित मिले। प्रयोगशाला में श्री हरेन्द्र यादव एवं आई0सी0टी0सी0 श्री संतोष अनुपस्थित मिले। इनका स्पष्टीकरण प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाये। ओ0पी0डी0 में उपस्थित मरीजों से दवा एवं इलाज आदि के वितरण के सम्बन्ध में संतोष व्यक्त किया। भूतल से प्रथम तल को जाने वाली सीढियां गंदी मिली एवं पान के थूकने के निशान पाये। सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाये।

भर्ती वार्ड का निरीक्षण किया गया। मरीजों द्वारा इलाज एवं दवा वितरण आदि के सम्बन्ध में संतोष व्यक्त किया गया। वार्ड में स्थापित कई खिडकियों में शीशे टूटे है,खिडकियों में लगी जाली टूटी है तथा खिडकियों में पान के थूकने के कारण बहुत खिडकियां बहुत गंदी है। वार्ड में ड्यूटी पर लगे सफाई कर्मचारी के सफाई कार्य में लापरवाही के कारण उसे हटाने के निर्देश दिये गये। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को एक सप्ताह में खिडकियो की सफाई कराने,उनमें शीशे एवं जाली लगाये जाने के निर्देश दिये गये। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिये गये कि अस्पताल के अन्दर पान,गुटका खाने एवं लेकर आने के लिए प्रतिबंध लगाया जाये तथा अस्पताल के अन्दर गुटका,पान आदि किसी व्यक्ति के पास पाये जाने पर सम्बन्धित व्यक्ति पर समुचित जुर्माना लगाया जाये।

भर्ती वार्ड में डाक्टरों के बैठने वाले कमरे में लोहे की रैक रखी मिली,उसमें ग्लूकोज की बोतले रखी है। उक्त रैक अत्यन्त गंदी है,जिसमें जंग भी लगी है। निर्देश दिये गये कि तत्काल इसको हटाकर नया रैक रखा जाये।

एक्सरे कक्ष का निरीक्षण किया गया। कक्ष की खिडकी के शीशे टूटे हैं,जिससे के कारण ऊपरी मंजिल पर चल रहे कार्य का मलबा नीचे गिर रहा है,जिसकी धूल से मशीनें खराब हो रही है। खिडकियों में अभी भी जाले लगे है,जबकि पूर्व निरीक्षण में इन जालों की सफाई कराये जाने के निर्देश दिये गये थे। खिडकी के शीशे लगाने एवं जाले साफ कराये जाने के निर्देश दिये गये।

- उक्त के अतिरिक्त शासन द्वारा निरीक्षण हेतु निर्धारित बिन्दुओं की बिन्दुवार निरीक्षण किया गया,जो निम्नवत है :–
- चिकित्सालय के भवन रंगाई पुताई हेतु बजट प्राप्त नही है। अनुरक्षण मद में 410000.00 वर्ष 2015–16 में बजट प्राप्त हुआ है जिससे चिकित्सालय की टूटी हुई पानी सप्लाई की लाइन,एक्सरे मशीन की मरम्मत आकस्मिकविभाग के टूटे हुई टाईल्स एवं बाउन्ड्री वाल बनवायी गयी है।
- वर्ष 2015–16 में क्लीनिंग के अंतर्गत 218000–00 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन स्तर सेप्राप्त हुआ है,जिसके अंतर्गत बीएग्रो कम्पनी लखनऊ को क्लीनिंग के बिलों के भुगतान किया गया है।
- चिकित्सालय में गार्डेनिंग क्लीनिंग एवं लान्ड्री का कार्य बीएग्रो कम्पनी लखनऊ द्वारा किया जा रहा है। सफाई व्यवस्था अनुबन्ध के अनुसार पूर्ण रूप से नही हो रही है।
- आपरेशन थियेटर में साफ सफाई विशेष रूप से प्रतिदिन की जाती है और उपकरण आदि उपलब्ध है।
- मरीजों को बैठने की व्यवस्था समुचित है।
- 24 घंटे विद्युत आपूर्ति के लिये स्वतंत्र फीडर स्थापित नही है और न ही स्वीकृत हुआ है। जनरेटर क्रियाशील है परन्तु डीजल हेतु बजट पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नही है। मात्र वर्ष 2014–15 में रु0 420000.00 प्राप्त हुआ था जिसके सापेक्ष रू0 लगभग रू0 856231.00 खर्च हुआ था। जनरेटर में इस समय प्रतिमाह रू0 140000.00 का व्यय हुआ है।
- चिकित्सालय परिसर में स्वयं का टूयबेल स्थापित है जिसके द्वारा पानी की आपूर्ति की जाती है पानी की टंकी सफाई समय समय पर होती रहती है।
- बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट परिवहन एवं निस्तारण मेडिकल पौल्यूशन कन्ट्रोल कमेटी पनकी कानपुर द्वारा किया जा रहा है,जिसका टेण्डर मुख्य चिकित्साधिकारी हमीरपुर के स्तर से किया गया है।

- चिकित्सालय में आई0सी0यू0 हेतु भवन बन गया है परन्तु चिकित्सक/पैरामेडिकल स्टाफ/ उपकरण आदि नही है जिससे आई0सी0यू0 वार्ड नही चल रहा है। रेडियोलॉजिस्ट न होने के कारण अल्ट्रासाउण्ड मशीन भी नही चल रही है।